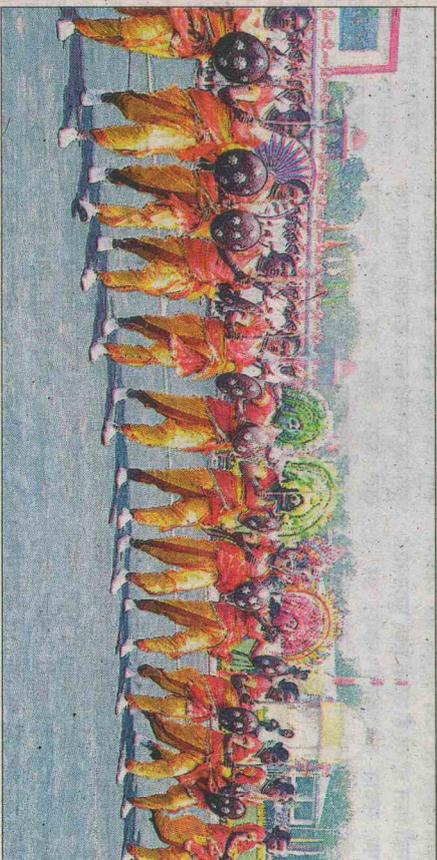
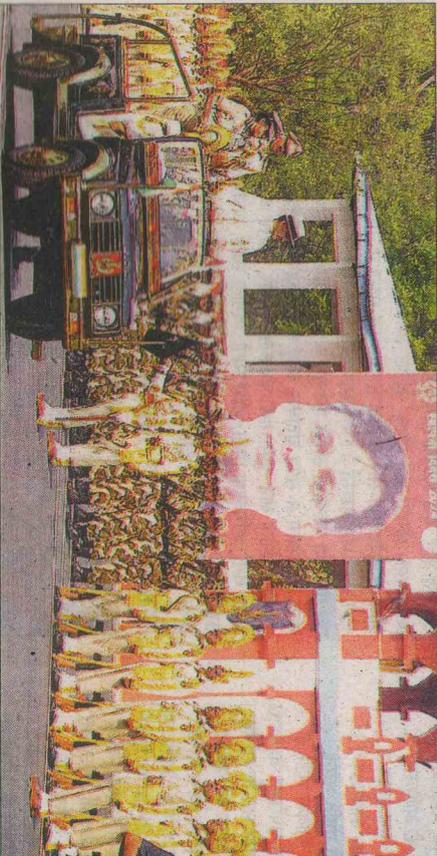


राष्ट्रीय सुरक्षा को बनाए रखने में सीआईएसएफ की महत्वपूर्ण भूमिका-केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय

भारत सरकार ने सीआईएसएफ की बल संख्या 20 हजार बढ़ाकर 2 लाख कर दी



सीआईएसएफ के क्षेत्रीय प्रशिक्षण केन्द्र उर्दई में 55वां स्थापना दिवस परेड

नवभारत टिचेंटर । भिलाईनगर।

सीआईएसएफ ने क्षेत्रीय प्रशिक्षण केन्द्र उर्दई में मंगलवार को एक शानदार समारोह के साथ अपना 55वां स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री नित्यानंद राय वतौर मुख्य अतिथि उपस्थित हुए। इस दौरान परेड की सलामी ली।

इसके बाद उर्दईने परेड का निरीक्षण किया। कार्यक्रम के दौरान सीआईएसएफ के अधिकारियों को उत्कृष्ट सेवा मेडल भी प्रदान किया। सीआईएसएफ की अलग-अलग इकाइयों ने की कदम ताल पर दर्शक दीर्घा में मौजूद लोगों ने खूब तालियां बजाईं। परेड में सीआईएसएफ की महिला कर्मांदों ने प्राचीन भारतीय आर्ट की प्रस्तुति से दर्शकों को हैरान कर दिया।

मालवार को क्षेत्रीय प्रशिक्षण केन्द्र उर्दई पहुंचने पर गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने सबसे पहले बलिदानी स्मारक पर पहुंचकर शूबीरों को पुष्पजलि अर्पित कर श्रद्धाजलि दी। केंद्रीय राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने वार्षिक इन-हाउस प्रकाशन सेटिन्गल-2024 और सीआईएसएफ

कांफ्री टेबल बुक का विमोचन किया। उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा को बनाए रखने में सीआईएसएफ ने निभाई जा रही महत्वपूर्ण भूमिका को भी रेखांकित किया। कहा कि पुलिस प्रौद्योगिकी मिशन के तहत भारत सरकार पुलिस और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों को उन्नत उपकरणों और प्रौद्योगिकी से लैस करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बल में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका के मद्देनजर महिला सशक्तीकरण की दिशा में अटूट प्रतिबद्धता के लिए

सीआईएसएफ की सराहना की। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने सीआईएसएफ की बल संख्या 20 हजार बढ़ाकर 2 लाख कर दी है जिसमें एक समर्पित महिला बटालियन भी शामिल है।

हर मौके पर सीआईएसएफ ने निभाई है अपनी जिम्मेदारी

सीआईएसएफ की महानिदेशक श्रीमती नीना सिंह ने 55 वर्षों की अपनी उल्लेखनीय यात्रा में उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने भारत सरकार और हर देशवासी को आभारवाचन देते हुए कहा कि सीआईएसएफ का प्रत्येक बल सदस्य अपनी जिम्मेदारी को पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण की भावना से निभाने के लिए प्रतिबद्ध है।

मॉकड्रिल में जवानों ने दिखाई फुर्ती

उदाई स्थित सीआईएसएफ के केंद्रीय ट्रेनिंग सेंटर में एक साथ कई आतंकीयों ने हमला कर दिया था, लेकिन सीआईएसएफ की विशेष टुकड़ी में तैनात कर्मांदों ने आतंकीयों को नापाक मसूबों में कामयाब नहीं होने दिया। हमला करने वाले आतंकीयों को वहीं ढेर कर दिया। दरअसल यह मात्र मॉकड्रिल (डिमोस्ट्रेशन) था जो कि सीआईएसएफ के 55 वें स्थापना दिवस समारोह के उपलक्ष्य पर आयोजित किया गया था। साथ ही सीआईएसएफ का अभिशासन विभाग भीषण आगजनी में किस तरह से कार्य करता है इसका भी उदाहरण प्रस्तुत किया गया।